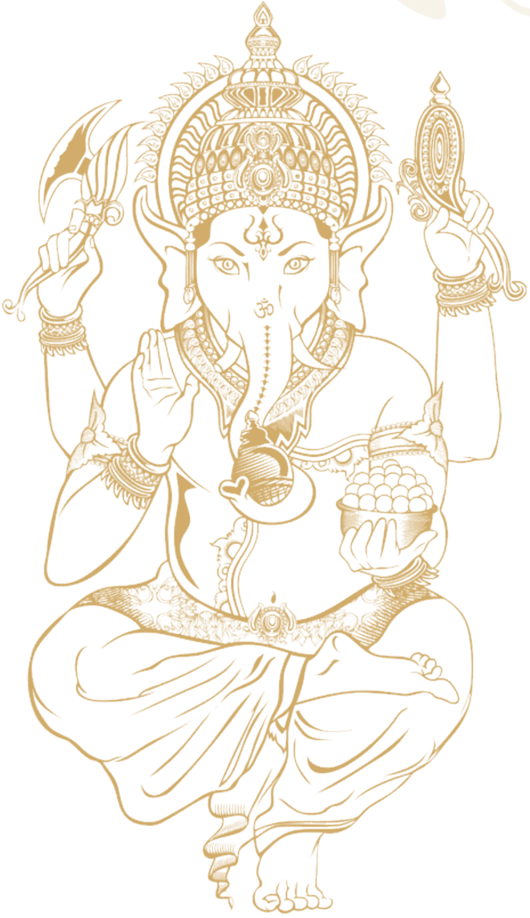

Harsh Choraria

29 Sep 1994

12:05 PM

Gauhati

Model: web-freekundliweb

Order No: 121052014

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **29/09/1994**
दिन	: गुरुवार
जन्म समय	: **12:05:00 घंटे**
इष्ट	: 16:56:41 घटी
स्थान	: **Gauhati**
राज्य	: Assam
देश	: India

अक्षांश	: 26:10:00 उत्तर
रेखांश	: 91:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:37:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 12:42:00 घंटे
वेलान्तर	: 00:09:31 घंटे
साम्पातिक काल	: 13:13:11 घंटे
सूर्योदय	: 05:18:19 घंटे
सूर्यास्त	: 17:12:09 घंटे
दिनमान	: 11:53:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 12:06:20 कन्या
लग्न के अंश	: 11:47:06 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: धनु - गुरु
राशि-स्वामी	: **मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	: **पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	: गुरु
योग	: परिघ
करण	: गर
गण	: देव
योनि	: मार्जार
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:47:06	339:53:39	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			कन्या	12:06:20	00:58:56	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	सम राशि
चंद्र			मिथु	26:28:03	12:36:34	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	03:08:02	00:34:41	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध			तुला	07:54:46	00:50:34	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु			तुला	20:56:54	00:11:36	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	20:47:03	00:27:35	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	13:15:28	00:03:41	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	21:46:32	00:02:15	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:46:32	00:02:15	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	28:36:16	00:00:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		धनु	26:47:24	00:00:07	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:18:08	00:01:42	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			कन्या	26:02:13	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:13

लग्न-चलित

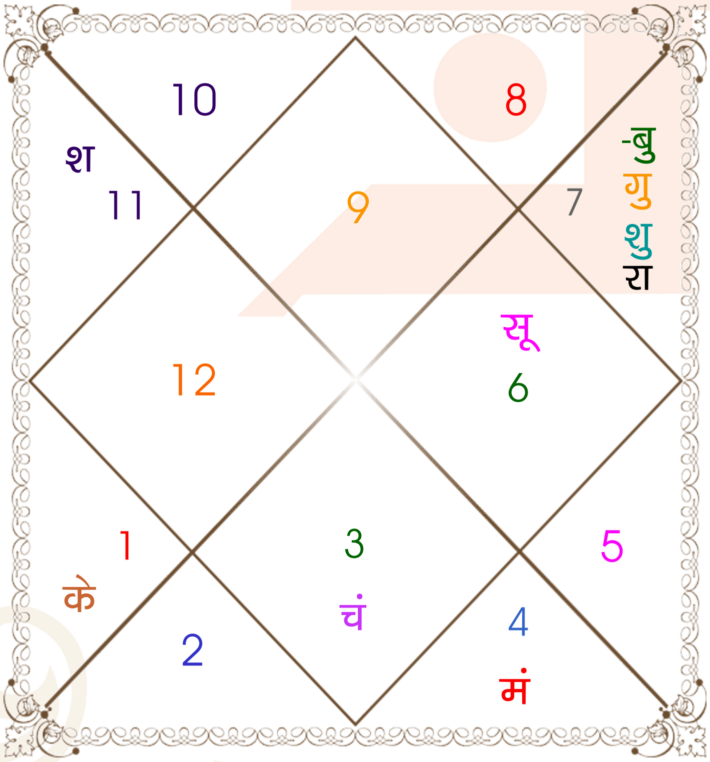

चन्द्र कुंडली

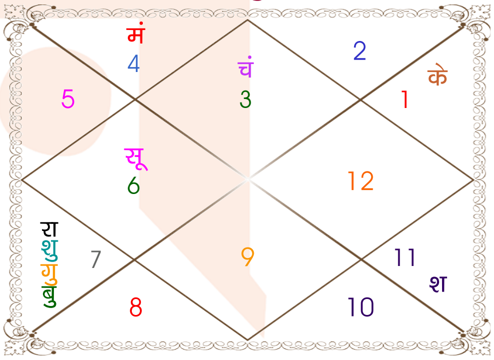

नवमांश कुंडली

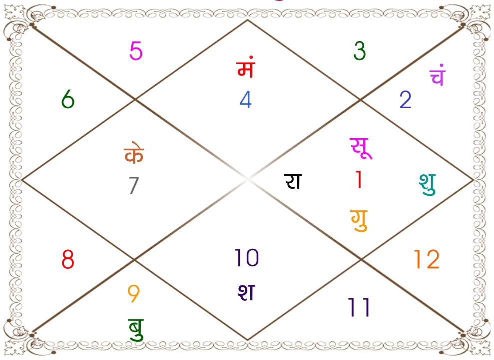

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 8 वर्ष 2 मास 26 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
29/09/1994	**25/12/2002**	**25/12/2021**	**25/12/2038**	**25/12/2045**
25/12/2002	**25/12/2021**	**25/12/2038**	**25/12/2045**	**25/12/2065**
00/00/0000	शनि 28/12/2005	बुध 23/05/2024	केतु 23/05/2039	शुक्र 26/04/2049
00/00/0000	बुध 06/09/2008	केतु 20/05/2025	शुक्र 23/07/2040	सूर्य 26/04/2050
29/09/1994	केतु 16/10/2009	शुक्र 20/03/2028	सूर्य 27/11/2040	चंद्र 26/12/2051
केतु 07/11/1994	शुक्र 16/12/2012	सूर्य 24/01/2029	चंद्र 28/06/2041	मंगल 24/02/2053
शुक्र 08/07/1997	सूर्य 28/11/2013	चंद्र 26/06/2030	मंगल 25/11/2041	राहु 24/02/2056
सूर्य 26/04/1998	चंद्र 29/06/2015	मंगल 23/06/2031	राहु 13/12/2042	गुरु 25/10/2058
चंद्र 26/08/1999	मंगल 07/08/2016	राहु 09/01/2034	गुरु 19/11/2043	शनि 25/12/2061
मंगल 01/08/2000	राहु 14/06/2019	गुरु 16/04/2036	शनि 28/12/2044	बुध 25/10/2064
राहु 25/12/2002	गुरु 25/12/2021	शनि 25/12/2038	बुध 25/12/2045	केतु 25/12/2065

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
25/12/2065	**26/12/2071**	**25/12/2081**	**25/12/2088**	**26/12/2106**
26/12/2071	**25/12/2081**	**25/12/2088**	**26/12/2106**	**00/00/0000**
सूर्य 14/04/2066	चंद्र 25/10/2072	मंगल 23/05/2082	राहु 07/09/2091	गुरु 12/02/2109
चंद्र 13/10/2066	मंगल 26/05/2073	राहु 11/06/2083	गुरु 31/01/2094	शनि 27/08/2111
मंगल 18/02/2067	राहु 25/11/2074	गुरु 17/05/2084	शनि 07/12/2096	बुध 02/12/2113
राहु 13/01/2068	गुरु 26/03/2076	शनि 25/06/2085	बुध 26/06/2099	केतु 30/09/2114
गुरु 31/10/2068	शनि 25/10/2077	बुध 23/06/2086	केतु 14/07/2100	00/00/0000
शनि 13/10/2069	बुध 27/03/2079	केतु 19/11/2086	शुक्र 15/07/2103	00/00/0000
बुध 19/08/2070	केतु 26/10/2079	शुक्र 19/01/2088	सूर्य 08/06/2104	00/00/0000
केतु 25/12/2070	शुक्र 25/06/2081	सूर्य 26/05/2088	चंद्र 08/12/2105	00/00/0000
शुक्र 26/12/2071	सूर्य 25/12/2081	चंद्र 25/12/2088	मंगल 26/12/2106	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 8 वर्ष 2 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किज्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।